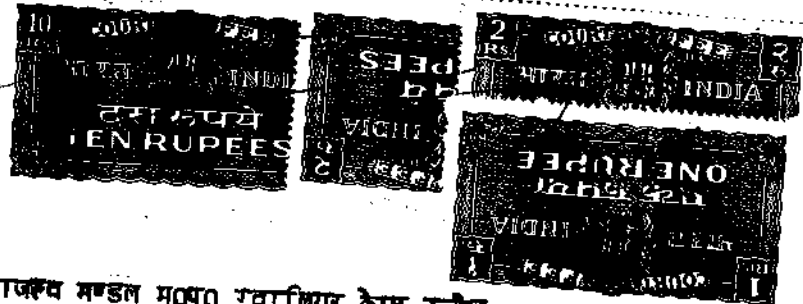


(86)



न्यायालय राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर केंद्र उज्जैन

१०१० - /०३ निगरानी

R-965 4/2003  
श्री प्रमोद शर्मा  
214-321-3/45 565-3  
3/2003

तूरपतिह पिता रूग्नाथतिह जाति खाती - आयु -  
65 वर्ष निवासी भंवर तहसील टोकसुई जिला देवास  
- आषेदक

विषय

- 1- विक्रमतिह पिता लक्ष्मणतिह खाती आयु 45 वर्ष -
- 2- पौतिह पिता लक्ष्मणतिह जाति खाती आयु 50 वर्ष
- 3- चन्द्रतिह पिता लक्ष्मणतिह जाति खाती आयु 47 साल  
निवासीगण तमस्त भंवर तहसील टोकसुई जिला देवास

- अनाषेदकगण -

28-9-03  
3/2003

26/6/03  
शर्मा

पुनरिच्छन का आषेदन पत्र अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० मूरा०संहिता -

माननीय महोदय

आषेदक अधिनस्थ योग्य न्यायालय अपर आयुक्त महोदय उज्जैन -  
तमाग केन्द्र उज्जैन के आदेश दिनांक 3-6-03 १०१० - 141/2003 पुनराकाल -  
त अतंतुष्ट एवं दुखित निम्न कारणों के आधार पर पुनरिच्छन का आषेदनपत्र अन्दर  
अवधि प्रस्तुत करता है :-

- 1- यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय का आदेश जेर निगरानी विधि  
सर्व विधान के विपरीत होने से निरस्त किए जाने योग्य है ।
- 2- यह कि विधान अधिनस्थ योग्य न्यायालय अपर आयुक्त महोदय ने  
उनके अधिनस्थ दोनों न्यायालयों की फाइल मंगवार बगैर ही काल्पनिक आधार पर  
ही आदेश पारित किया है । आषेदक की ओर से <sup>आगूह -</sup> ~~किसी~~ किया गया था, कि रिकार्ड  
मंगवा कर पस्तुस्थिति देखने की कृपा की जाये । किन्तु अपर आयुक्त महोदय ने-  
रिकार्ड मंगवार बगैर ही काल्पनिक आधार पर उक्त निर्णय पारित किया है जो -  
निरस्त किए जाने योग्य है ।

3- यह कि पस्तुस्थिति इस प्रकार है कि, अनाषेदकगण ने बंदो <sup>मक</sup>

86

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

115

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-965-तीन/2003

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
30-08-2019	<p>आवेदक व आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं । प्रकरण का अवलोकन किया गया । आदेश पंजिकाओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक दिनांक 18-01-2017 से लगातार अनुपस्थित है, जिससे प्रतीत होता है कि आवेदक को प्रकरण को चलाये रखने में कोई रूचि नहीं है । अतः यह प्रकरण आवेदक की अरूचि में इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है ।</p> <p>(महेश चंद्र चौधरी) सदस्य</p>	